%%―The Imperial Gaṅgas―

%%A. D. 1190 ― 1435

%%(From 5-2-1310 To 7-4-1353 A.D.)

%% p. 388

NO. 214

Kūrmeśvara Temple at Śrīkūrmaṃ<1>

S. I. I. Vol. V, No. 1251; A. R. No. 369 of 1896;

A part of this inscription is published in

E. I. VI. pp. 266 ( )

Ś. 1239

S

(१।) क्रि(कृ)ष्णावतारमुदिश्य जयन्त्यां परमोत्सवः [।]

(२।) भोजइत्वाखिलान् विप्रान् समारभ्याधिकारिभिः [।।]

(३।) इति मत्वा नृहरिण मुनिना धर्म्मचारिणा [।]

(४।) त्रयो निष्का विनिक्षिप्ता देवभंडार सद्मनि [।।]

(५।) उनचतुर्दश(शे)वर्ष द्वादश(शे)शत वत्सरे [।]

(६।) कन्यामासे सितेपक्षे त्रयोदश्यां कवेर्द्दिने [।।]

(७।) अविच्छिन्नेन य इमं प्रतिसंवत्सरं हरेः [।]

(८।) कुर्व्वत्ति ते पुत्रपौत्रान लभंत्तेन्यदभाप्सित [।।]

<1. On the fifth pillar in the Tirchuṭṭu maṇḍapa of this temple.>

<2. The corresponding date would be the 10th October, 1317 A. D., Wednesday, if the month is Tula. But, if it is Kanyā māsa, then the date is not regular.>